



उलगुलान के गवाह

उलगुलान न्याय महारैली में रविवार को हर क्षेत्र से हर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पहुंचे। सभी अपने-अपने हाथों में अपनी-अपनी पार्टी के झंडे लिए हुए थे। ज्ञामुमों के कार्यकर्ता घेरे पर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का मारक लगा आवज बुलंद करते रहे। ● रुषा

09.00

बजे सुबह सबसे पहले शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी रांची एयरपोर्ट पर पहुंची

5.10

बजे शाम को सबसे ऊंत में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रांची एयरपोर्ट पहुंचे

रैली में लिया संकल्प

- विधाय, बुजुर्ग, दिव्यांगजनों की सामाजिक सुरक्षा का
- ग्रीष्म, वैधित और शोधित के हक-अधिकार का
- महिला, युवा, किसान, मजदूर के स्वामिनाम का
- कृषि ऋण माफी के लिए लिया गया संकल्प

झलकियां



उलगुलान रैली के मंच पर शिवू सोरेन को लाती कल्पना सोरेन।

रैली में मंच पर बसंत सोरेन के नहीं होने की रही चर्चा

रांची। झारखंड सरकार के मंत्री बसंत सोरेन के उलगुलान न्याय महारैली के दौरान मंच पर नहीं होने की चर्चा होती रही। रैली के दौरान मंच से उनके नाम का संबोधन हुआ था कि वह अपने पिता शिवू सोरेन को लेकर आ रहे हैं। लेकिन शिवू सोरेन मंच पर आए तो बसंत नहीं दिखे। जानकारी के मुताबिक, पूरी रैली के दौरान वह अपने आवास पर नहीं थी। उनकी टीम के सदस्यों के मुताबिक, वह रैली की व्यवस्था में लगे हुए थे।

महागठबंधन की हेमंत पर निगाह, केंद्र पर निशाना

रांची के प्रभात तारा मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन ने उलगुलान न्याय महारैली आयोजित की। इसमें केंद्र सरकार को सत्ता से हटाने का उलगुलान किया गया। करीब 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास तापमान होने के बावजूद मौजूद 28 पार्टियों के कार्यकर्ता अपने नेताओं को सुनने के लिए डटे रहे। देश भर से पहुंचे गठबंधन के नेताओं ने भी हुंकार भरी। उनकी निगाहों में ज्ञारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन थे और निशाने पर मोदी सरकार। वहीं, रांची सुबह से ही देश-दुनिया की सुर्खियों में रही। नेताओं का सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक आने का सिलसिला जारी रहा।

केंद्र ने हार के डर से विपक्ष की सरकारों गठबंधन में सभी लोग मजबूत, भाजपा फोड़ने की कोशिश नहीं करे : खड़गे

हेमंत का काम देख भाजपा के पेट में होने लगा दर्द



रांची, इंडिया गठबंधन की काम के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उलगुलान न्याय महारैली में जनता से आग्रह किया कि 2024 के चुनाव में ज्यादा से ज्यादा वोटिंग करें। सब लोग घर से उठ कर बाहर आएं। इससे वीरोपी पी डो। ज्यादा गठबंधन को बढ़ा करें, उतनी ज्यादा सीट गठबंधन के उत्तरान के लिए काम शुरू किया। शिवा, स्वास्थ्य, किसान की दिशा में जोरदार पहल की। इससे भाजपा के पेट में दर्द हो गया और सरकार को बढ़ावा देने का बधायत्र शुरू कर दिया। हेमंत जेल भेजे गए, लेकिन गठबंधन आज भी पूरी मजबूती से खड़ा है और आगे भी एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ लड़ा रहेगा।

डबल इंजन की सरकार लाखों लोगों का राशन कार्ड रह कर दी थी। आपने ने कहा कि झारखंड की जनता को आज भी बढ़ावा देता है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में लाखों लोगों के राशन कार्ड रह किए गए। ग्रामीण क्षेत्र में पांच हजार से ज्यादा स्कूलों को बंद किया गया, ताकि यहां के आदिवासियों, मूलवासियों एवं आम लोगों पर पहुंच ना आए। जब हमारी सरकार बनी, तो वाहनों पर 36 लाख से ज्यादा लाभुकों को पेशान से जुड़ सके। चंपाई सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने आपने जेल में डबल वाहन हारने लगता है तो हर हथकंडे अपनाता है। बाजी जीतने के लिए नोची-काटता है।

बनाए गए, हर प्रारंभ में सीएम स्कूल 100 एक्सीरीजेस खेले गए, ताकि बच्चे शिक्षा से जुड़ सकें। चंपाई सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के बच्चों को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

बनाए गए, हर प्रारंभ में सीएम स्कूल 100 एक्सीरीजेस खेले गए, ताकि बच्चे शिक्षा से जुड़ सकें। चंपाई सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के बच्चों को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब केंद्र सरकार ने पीएम आवास पर भी कदम रखी तो जिसे लोगों के लिए देखा गया और आवास को पहुंचने के लिए गेजे भेजे।

लिए विदेश भेजा, छारजीवाल की रकम बढ़ाई गई, और जब क

शहर में महावीर जयंती पर अहिंसा परमो धर्म का दिया संदेश

धनबाद, प्रमुख संचालदाता। महावीर जयंती पर रविवार को धनबाद के दिवंगर जैन समाज के लोगों ने मटकुरिया दिवंगर जैन मंदिर में महावीर भगवान का पूजन और अभिषेक किया। विवर शांति की प्रार्थना करते हुए अहिंसा का जयघोषणा किया गया। समाज के लोगों ने अहिंसा परमो धर्म का संदेश दिया।

भगवान को रथ पर विराजमान करके दिवंगर जैन मंदिर से बैंक मोड़ तक यात्रा निकाली गई। प्रमुख रूप से रथ पर विराजमान भगवान को लेकर चलने वाले शोकमाल कुमार जैन, शोभायात्रा के कुरुक्षेत्र बने संजय कुमार, मोरोज कुमार जैन, सारथी बने सुधार चंद जैन यात्रा में शामिल हुए। यात्रा बाजे के साथ महिला-पुरुषों ने जयकरे लगाता हुआ नगर ध्रुण किया। अमित जैन, संदीप



मटकुरिया दिवंगर जैन मंदिर से रविवार को निकली शोभा यात्रा में शामिल लगा।



वैया महावीर मंदिर से निकली शोभा यात्रा।



महावीर जयंती पर मटकुरिया महावीर मंदिर से निकली शोभा यात्रा में शामिल महिलाएं।

जैन, गीता जैन, डिप्टी जैन, बवीता, बनदना, सुधाया जैन, ज्योति, सानू जैन, ललिता जैन व बिता जैन ने प्रमुख धूमिका निभाई।

महावीर जयंती पर जैन संघ ने निकाली रथ यात्रा: धनबाद, विशेष संचालदाता। महावीर जयंती पर श्री

धनबाद जैन देवतावर मूर्ति पूजक संघ और श्री धनबाद देवतावर स्थानकवासी जैन संघ ने रविवार को रथ यात्रा निकाली। रथ यात्रा जोड़ापाटक रित्यत जेती बाई स्थानकवासी उपायोग से शुरू होकर पुराना बाजार की पानी ठंकी, बैंक

मोड़ होते हुए शालीनगर रित्यत श्री शोतलनाथ जैन देवासर पहुंची। बहां समाहिक पूजा-अर्चना की गई। श्रीके पर दोनों संघ के दृस्ती दिवेश चंद्र दोषी व अशोक बाई संघवी, दोनों संघ के अध्यक्ष दीपक रामानी व महेंद्र संघवी, सचिव संजय शेष व शाह, हिरल दोषी, योगिता शेष, उर्वा ज्येति शाह, भारती शाह, नेहा बेन मटलिया, निशा मोरवीया, जयश्री कोठरी, रोशनी संघवी, मितल दोषी, चेतन दोषी, हितेन संघवी, निलेश दोषी, विरेण दोषी, भूपेश संघवी व निनिं कोठरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

धनबाद का रविवार को अधिकतम तापमान एक डिग्री नीचे गिरकर 43 पर पहुंचा

धनबाद में गर्म हवाओं का कहर जारी, दो दिनों की राहत संभव



ऊफ ये गर्मी



धनबाद, प्रमुख संचालदाता। धनबाद में गर्म हवाओं का कहर जारी है। बीते 24 घंटे में तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद गर्मी से कोई राहत नहीं मिली। पूरा धनबाद हीट बेंग की चेपट में है।

अधिकतम तापमान 43 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी और यह 40

डिग्री तक पहुंचेगा। हालांकि दो दिन बाद 24 अप्रैल से एक बार फिर से गर्मी की बढ़ी और पारा 43 डिग्री होगा।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहाँ रात्रि तापमान 28 डिग्री रहा।

गीसम विजान केंद्र रांची के अनुसार आगे लो दिनों तक झारखंड को गर्मी से छोड़ी राहत सकती है। राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश होगी, जिससे राज्य में छोड़ी राहत समिलेगी।

धनबाद क

गृहमंत्री का कटिहार में गठबंधन पर निशाना, कहा-मोदी ने जातिवाद, तुष्टीकरण खत्म किया

‘इंडिया’ बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहता है। इंडिया नीतीश कुमार के राज में हर जगह उजाला है।

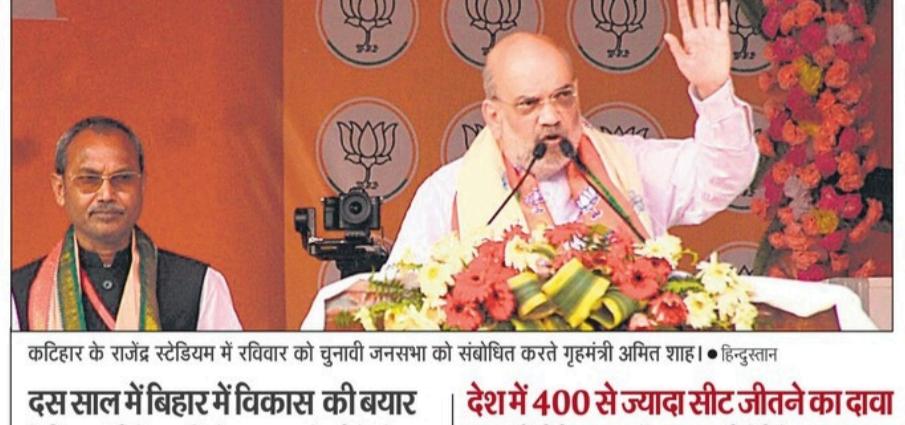
आरोप

कटिहार, वरीय संवाददाता। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इंडिया गठबंधन बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहता है। कांग्रेस पिछड़ा समाज व मंडल को रखा था। जबकि नीतीश कुमार के राज में हर जगह उजाला है।

उन्होंने लालू-राबड़ी देवी शासनकाल को जंगलराज बताते हुए कहा कि उस समय गरीब-ओंबीसी सब पर अत्याचार होता था। कांग्रेस पिछड़ा समाज व मंडल को प्रशंसनीय बनाया है। नीतीश देख और बिहार विकास की ओर निरंतर बढ़ रहा है। गृहमंत्री एवं विवर को एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में प्रवचन करने के लिए कटिहार पहुंचे थे। राजेंद्र स्टेडियम में चुनावी कांग्रेस के तहत होते हुए कांग्रेस के लिए कटिहार कटिहार के बुवाओं को अपने जिगर का टुकड़ा कहा।

इस पर पंडल में मीजूर लोगों ने जमकर तालियां बजायी और मोदी-मोदी के नारे भी लगाए।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र



कटिहार के राजेंद्र स्टेडियम में रविवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते गृहमंत्री अमित शाह। • हिन्दुस्तान

दस साल में बिहार में विकास की बयान

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीबों को मुद्रा लोन दिया। 10 साल में नरेंद्र मोदी ने 9 लाख 23 हजार करोड़ रुपये विवर के विकास में दिया। कटिहार में नारायणपुर-पूर्णिया सङ्कट और पुल का निर्माण, पांच लाख का आयुष्मान कार्ड, दो लाख विसानों को विसान निविधि दिया। उन्होंने कटिहार के बुवाओं को अपने जिगर का टुकड़ा कहा।

इस पर पंडल में मीजूर लोगों ने जमकर तालियां बजायी और मोदी-मोदी के नारे भी लगाए।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र

मोदी ने परिवारवाद, जातिवाद और उत्थीकरण को समाप्त किया।

हरेक के विकास करने का काम

देश में 400 से ज्यादा सीट जीतने का दावा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी देवी के शासनकाल को याद दिलाते हुए कहा कि पहले पढ़ाई-लिखाइ नई होती थी। शासी राज में आ-जा रहे हैं। हमलोगों ने सबके लिए काम किया है। हिन्दू-मुसलमान लोगों के लिए काम करते दियाया है। इंडियाएं इस बार कई दिन हैं 40 और देश में 400 से ज्यादा सीट जीतने और नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएंगे।

मोदी ने केंद्र सरकार ने की है। मोदी ने नरेंद्र मोदी की सरकार ने की है। मोदी ने 80 करोड़ से ज्यादा प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज दिया। 12 करोड़ से ज्यादा

शौचालय, 4 करोड़ से ज्यादा घर, 14 करोड़ से ज्यादा गरीबों को नल से जल दिया।

शौचालय, 4 करोड़ से ज्यादा घर, 14

आठवीं की छात्राका अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म, शरीर को दागा भी

शर्मनाक

नैतन (सीवान), एस। नैथन थाना क्षेत्र के एक गांव में आठवीं कक्ष की छात्राको आया कर रहा है। रविवार के साथ सुलझने ने उसका शब्द जानकारी के लिए छपाक सदर अस्पताल भेज दिया। छपाक के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार महिला पड़ोसी में एक शादी समारोह में मंगल गीत गाने के लिए गई थी। देर रात तक जब रहनी लाई थी तो परिजनों ने उसकी खोजनी की शुरू। लोगों के लिए छपाक सदर अस्पताल भेज दिया।

छपाक के लिए बाहर चारों ओंकारी के साथ खोजनी की शुरू। लोगों के लिए छपाक सदर अस्पताल भेज दिया।

पीड़िता ने इस बाबत प्राथमिकी के दर्जे में रही थी। उसमें उसने आरोप लगाया है कि वह 18 अड़ियाल को शौच करने के लिए घर से बाहर चालकर चप्पल को गर्भ कर रखा है, तभी गांव के बाहर चारों ओंकारी के साथ खोजनी की शुरू। लोगों के लिए छपाक सदर अस्पताल पर काम करते हुए तक

पीड़िता ने दर्ज कराई प्राथमिकी, वार युवकों ने की हैवानियत चप्पल को गर्भ कर रखा है, तभी वार युवकों ने एक गांव के लिए घर से बाहर चालकर चप्पल को गर्भ कर रखा है। उसकी जानकारी ने कहा कि वह बदल चुका है। इसकी जानकारी ने एक गांव के लिए घर से बाहर चालकर चप्पल को गर्भ कर रखा है। उसकी जानकारी ने कहा कि वह बदल चुका है। इसकी जानकारी ने एक गांव के लिए घर से बाहर चालकर चप्पल को गर्भ कर रखा है। उसकी जानकारी ने कहा कि वह बदल चुका है।

वहाँ सामूहिक दुष्कर्म किया। बुवाओं ने फिर आग जलाकर चप्पल को गर्भ कर रखा है। उसकी जानकारी ने कहा कि वह बदल चुका है। इसकी जानकारी ने एक गांव के लिए घर से बाहर चालकर चप्पल को गर्भ कर रखा है। उसकी जानकारी ने कहा कि वह बदल चुका है।

पीड़िता ने कहा कि वह बदल चुका है।

पीड़ित

भाजपा को धर्म की टेकेदारी से बाज आना चाहिए : तेजस्वी

बिहार की राजनीति में पूर्व उप मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव प्रमुख युवा चेहरा हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में विपक्ष ने उन्हीं के नेतृत्व में एनडीए से मुकाबला किया था और इसके बेहतर परिणाम आए थे। लोकसभा चुनाव 2024 में भी बिहार में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व तेजस्वी यादव ही कर रहे हैं। देश की सरकार बनाने के इस संग्राम में अकेले ताबड़तोड़ जनसभाएं कर जनता को राजद के 'परिवर्तन पत्र' के माध्यम से अपने पाले में करने की कोशिशों में जुटे हैं। पहले चरण की समाप्ति तक ही उनकी तकरीबन चार दर्जन जनसभाएं विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में हो चुकी हैं। रोजाना तीन से पांच सभाओं की व्यस्तता के बीच हिन्दुस्तानपत्रना के संपादक विनोद बंधु से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस चुनाव की चुनौतियां, संभावनाएं व संभावित फलाफल को लेकर विस्तृत बातचीत की। पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश :

■ पिछले विधानसभा चुनाव में आपने खुद मोर्चा संभाला था, परिणाम भी अच्छा रहा, इस चुनाव में क्या लगता है?

इस चुनाव में और भी अच्छा परिणाम रहेगा। राजद और गठबंधन के सभी साथी कार्यकर्ता, नेता तथा शुभभित्ति उत्साह और तालिम के साथ जनता के बीच काम कर रहे हैं। आप वकीन मानिएँ 'सत्रह साल बना सत्रह महीने' घर-घर पहुंच गया है और बिना किसी पी आर एजेंसी की मदद के। लोग स्वयं करने लगे हैं, नौकरी मतलब तेजस्वी। लोग समझ रहे हैं, कार्य किये जाएं। यहां 17 साल में असंभव लगता था, वो हमारे 17 महीनों के अल्प समय में कर दिखाया। इस चुनाव को लोगों ने अपनी जरूरत के लिए साबों से ढाल लिया है।

■ परिवारवाद व सनातन विरोधी आचरण को लेकर इंडिया गठबंधन पर हमले हो रहे हैं, क्या कहना है?

हमने खुद ही मोर्ची से अनुरोध किया है कि परिवारवाद पर खुल कर चर्चा करें। उनको स्पष्ट करना चाहिए कि परिवारवाद की क्षमता भाजपा है और वह एनडीए पर लागू करने नहीं होती। व्यापारी भी सिसियों उदाहरण दिए करोंडी उत्तर नहीं मिलता है। हम लोग भाजपा को तरह धर्म की राजनीति नहीं करते। भाजपा को भी धर्म की तेकदी से बाज आना चाहिए। सभसे बड़ा सनातन विरोधी काम ही धर्म का राजनीतिक दुनिया के हर देश में चुनाव रोजगार समाजीकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसे मसलों पर होता है और वही होना भी चाहिए, लेकिन हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी इन्डिया पर लंबी चुप्पी साध लेते हैं। और मुझे से भटकाव की राजनीति करते हैं।

■ नौकरियों की घोषणा को एनडीए हवाही बता रहा है, इस पर क्या कहना है?

हमने करके दिखाया है। फिर करके दिखाएं। देखिए, मैं और क्या कहूं आप जाएं, और उनसे भी पछे जो हमारे पारंपरिक बोतर नहीं हैं। क्योंकि हमें किसी नहीं जो हमने कर दिखाया, वो बिहार ही नहीं बल्कि दुनिया में रोजगार के फ्रंट पर अविमानण है। जो अपने दौर में नहीं करके दिखा पाए, उन्हें बातें की बात हवा-हवाई ही लगेगी। अच्छा

यह होगा कि प्रधानमंत्री जो बिहार की जनता के बीच जो बड़े-बड़े बादे किए थे, अब उसका हिसाब दें। नौकरी के मद्दे पर प्रधानमंत्री जी बगले ज़ांकने लगते हैं।

■ आपके गठबंधन में प्रधानमंत्री का चेहरा धोखित नहीं हुआ है, इसका कितना असर पड़ा?

ईवीएम पर प्रत्याशी और पार्टी चुनाव चिह्न होते हैं, प्रधानमंत्री का चेहरा होता है। जनता के प्रतिनिधि प्रधानमंत्री चुप्ते हैं। जनता हमारे प्रदर्शन और 'परिवर्तन पत्र' के आधार पर हमारा चुनाव करेगी, न कि बाहर देखकर। संवैधानिक व्यवस्था भी यही कहती है और हां, 2004 के चुनाव को याद करना चाहिए।

■ इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे, प्रत्याशी की घोषणा में वह तालिम नहीं दिखा, जो पार्टी में है?

गठबंधन में फैसले तकरीबन तौर-तरीकों से किए जाते हैं। तालिम एक सुरुच है। हमें तो ये आहत करता है कि किस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी को बीजेपी ने चुनाव प्रचार के लिए एनडीए के बड़तर नहीं होता है।

■ कांग्रेस तथा कई राजद नेताओं की नारजीगी समझे आयी है। बागी भी कई राजद जगह समझे आ रहे हैं, इससे जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई कैसे करेंगे?

जैसा कि मैंने पहले कहा, सभी फैसले सोच-समझ कर और चर्चा से बनी आप राय के अनुसार शोषें नेतृत्व के होते हैं। सभी जिम्मदार साथी यह बात समझते हैं। गठबंधन की शर्तें और व्यापक सामाजिक समझों को जोड़कर आगे बढ़ाना हमारी कोशिश है और कुछ लाभ लेती है। इस बात को समझ नहीं पाते। और कुछ ऐसे भी हैं, जो चुनावी मीसाम में इधर-



उधर होने को अपनी आदत बना लेते हैं।

■ एनडीए ने चुनाव प्रचार में बदलते ली, प्रधानमंत्री की चार सभाएं हो चुकी हैं, गहुल-खिंडीगे सहित इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं ने पहले चरण तक बिहार का दौरा नहीं किया। इसकी बजाय क्या है?

देश के हर क्षेत्र में इंडिया गठबंधन एक सोची-समझी जिम्मीति से प्रचार-प्रसार कर रहा है। सारा दारोमदार एक-दो चेहरों पर नहीं है। हमारे कैपेन को सिक्के बड़ी रैलियों के नजरिये से नहीं देखते। प्रथम चरण तक एनडीए के क्रूल सभी नेताओं से अधिक मैं 47 सभाएं कर चुका हूं। गांव-गांव तक हमारा प्रचार-प्रसार लोगों के दिलों में जगह बना चुका है। आने वाले दिनों में आप संयुक्त सभाएं भी देखेंगे। प्रथम चरण की हम सभी चारों सीटों जीत रहे हैं।

■ चुनाव में घोषणा-पत्र का क्या असर पड़ेगा? आपके बादे में नया क्या है? कांग्रेस और राजद के घोषणा-पत्र में भिन्न बाते होने पर भी सबाल उठ रहे हैं?

■ चुनाव का क्या विकास और सामाजिक न्याय का बाबत है? आपके बादे में नया क्या है? कांग्रेस और राजद के घोषणा-पत्र में भिन्न बाते होने पर भी सबाल उठ रहे हैं?

■ कैसे मार्ड समीकरण को बाप समीकरण का विकास तक पहुंचाया जाए?

देंहों नहीं, दे रहे हैं। हमने सबसे अधिक आधी आवादी यानी 6 महिलाओं को टिकट दी है। सबसे अधिक युवाओं को टिकट दी है। गठबंधन में हमने को सीमितता के बावजूद सभी वर्गों को देखेंगे। बिहार को लेकर हमारी कुछ प्राथमिकताएं हैं। इसकी चिंता नहीं है कि आपनी हो रही है कि नहीं, रसोई चल रही है कि 140 करोड़ की आवादी वाले देश के प्रधानमंत्री को दूरी प्रदेश में जाकर मेरे भोजन पर टिप्पणी करने की जरूरत महसूस हुई। क्या उनके पास जनता से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं है? मैं तो हर सभा में नौकरी, सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक-अधिकारी न्याय की बात करता हूं। अगर प्रधानमंत्री उन मुद्दों पर प्रतिवर्तन कर रहा है।

■ कैसे एनडीए को बाप समीकरण का विकास तक पहुंचाया जाए?

देंहों नहीं, दे रहे हैं। एनडीए को आधी आवादी यानी 6 महिलाओं को टिकट दी है। सबसे अधिक युवाओं को टिकट दी है। गठबंधन में हमने को सीमितता के बावजूद सभी वर्गों के लिए आधीकारिक समाजिक समझों को जोड़कर आगे बढ़ाना हमारी कोशिश है। यही बात अब हम हर सभा, हर गांव, हर गांव में पहुंच रहे हैं। अच्छा फैटडेक बिंदुओं पर हुए रहते हैं। इसकी बात को समझ नहीं पाते। और कुछ ऐसे भी हैं, जो चुनावी मीसाम में इधर-

संदेश हैं, उसका क्या लाभ होगा?

सभी प्रगतिशील और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पित पाठ्यों के हम साथ हैं। हमारी राजनीति समाजेश्वरी की है। राज्य में सभी समुदायों को अपनी छाया गठबंधन में विख्याति है।

■ चुनाव प्रचार में लालू प्रसाद और राबड़ीजी इस बार नहीं हैं, कमी पहसूस हो रही है?

जी हां, उस रूप में सक्रिय नहीं है, जैसा पहले हुआ करते थे, लेकिन उनका निर्देश हर क्षण मिलता रहता है। उनका स्नेह और प्रेरणा पूरे महागठबंधन को बहुत ताकत देती है। उनसे लगातार मार्गदर्शन भी मिलता रहता है।

■ नवाचर के दौरान क्या मछली खाते विडियो पोस्ट किया, इसका क्या मकसद था? पीपीएस तक ने उस पर टिप्पणी की, क्या आपने भाजपा को मुद्दा दे दिया?

यह बाजीकारी सही नहीं है। विडियो एक दिन पहले का था। मकसद ऊँचा था कि दिखा सकें कि भाजपा को जनहित के मुद्दों में दिलचस्पी नहीं है, बल्कि कौन तथा याचिकरण है। यह पहन रहा है, इससे ज्यादा रहनी है। इसकी चिंता नहीं है कि आपनी हो रही है कि नहीं, रसोई चल रही है कि 140 करोड़ की आवादी वाले देश के प्रधानमंत्री को दूरी प्रदेश में जाकर मेरे भोजन पर टिप्पणी करने की जरूरत महसूस हुई। क्या उनके पास जनता से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं है? मैं तो हर सभा में नौकरी, सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक-अधिकारी न्याय की बात करता हूं। अगर प्रधानमंत्री उन मुद्दों पर प्रतिवर्तन कर रहा है।

■ नवाचर के दौरान क्या खाते विडियो पोस्ट किया, इसका क्या मकसद था? पीपीएस तक ने उस पर टिप्पणी की, क्या आपने भाजपा को मुद्दा दे दिया?

यह बाजीकारी सही नहीं है।

